

श्यर्यरवाहिरतिष्ठरवन्धरहनरयचरयदरगर्हरविष्णुयरसर्वविघ्न
 विनायकानामलागनपतिजिविनाम्धकाताय दूं दूं दूं दूं ३ सां साहा ॥ ॥
 लान्ननिवलिविय ॥ ॐ जूकातामूर्यसर्वधर्माः मायनत्यनयत्वा ॥ ॐ आः दूं
 दूं साहा ॥ ॐ महाकाताय साहा ॥ ॐ महाकालिय साहा ॥ ॐ हानिनिमहाय
 शूलहनरसर्वमायकी साहा ॥ ॐ जूगपितृसिंहः साहा ॥ ॐ काकपितृसिंहः

ह्य साहा ॥ उं ग्राः चमनं प्रति च साहा ॥ लं रयने ॥ ॥ यक्षाय चानयूजा ॥ तास्याः
नयन ॥ सनातन ॥ उं कुलो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ विसर्ज्य ॥ यनिहा ॥ नः प
रवाक्षसदृसा चकं डाचक ॥ ॥ धलास विद्यक ॥ जजमानः कननक ॥ ॥
उं समामुने जिनवतः चक्रनायकः नमामुने समवत चक्रनायकः नमामुने ज
किनिलामि केनथनथाः नमोनमः नृपिनीः रयलुलाहिकः निचविनास्ति वि

नलिगताः फाकान ताया ४ सदितानकपात्रिका ४ वी नृगत्रिवी नृग हनमाम्यदः
निसर्षसूक्ष्मः रुः हवचिन्तः पिभयपि ० मूय ऊनः च्छादः निवासिनिदवीः
मलायक मूय मलायकः वासिनस्तथाः स्रग्गीत कवास्तथाय ० गीक ॥ नम
मुने विनवः ऊनपालिक उपविनवस्तमू लिहि ४ ससंथा ४ वृद्धके धर्मके
ह्यनाथनमामुनेः नसंगत न वाद्यं गृह्णापवृष्टानांः सवित्रजकिनीस्तथाः

[illegible]

जाय नारुं ॥ लय नान ॥ पच वंगु सफाय ॥ ॥ थन लि जाय न का ॥ वजिह
धो हनि नयक ॥ नारु क्राय चक ॥ गी न की ला ॥ ॥ थन लि मूल यजः गी न
ह ज ह न स ॥ आ ग म द व श न सामा ॥ ध्रुव क द व श ल सामू मालः क लु पा व दि
य ॥ रय न व स र ल दिय ॥ नि हा ष न क ॥ चि ना मू ली नय क ॥ पू न स र न ॥ सि वा क
दा य ॥ ज जा म नः क ष व वि र्य ॥ स र न या य रु ति ॥ ॥ ड न म रु ग न च क प

ननयी० पुत्रारुः। ऊजुषूः मन्त्राऽमं शीतहू मिषूः उपमूकषूः वानषूः यवसकिम
 सानयः। जानुकायैमू मन्त्रयिल्लः दयैवनागथावित्रवित्रऽत्रिष्टुवजकि० ता
 जकसंशना० तिर्य्यानयानमिः यूप्राखीः मार्षानसंयत्रिष्टुहूः यत्रिष्टुद्रुकुमा
 नार्थः। ऊर्मरुसनयस्यकं॥ ॥ जूनकृधकूमरुः। नाः। त्वदियं पादयां ॥ ॥
 आससात्रः मरुयासाहवयः वज्रयात्रीः। हजहजकृतथापर्यः। तज्जं वाचरया।

यतः यस्मिन् प्रसादमिति नः यनिहं अयसि यन ४ ॥ किञ्चननक ॥ का
 लयः सैलानां वलिङ्गाय ॥ न अतवत्र अयमनं ३ ॥ ॥ गीनचक्र द्यासान
 थर्द्धहागकायक ॥ फलं द्वावक ॥ लाहानसिय ॥ ॥ नसियमनं ३ ४
 सत्रिमित्राचा ॥ द्वायवानय ॥ न अतवर्तनय ॥ ॥ थनगुत्रमकल
 चिहासयाय ॥ धूमागत्रिदगुत्रियाय ॥ गीनधूमीगत्रि ॥ मूलपूजायाः कमानक

संज्ञातयादनः कर्तृत्वसत्ता त्राडानयः भाकसिद्धिः मनविद्य ॥ सातनन ॥
 विगृहः अफलप्रायः बृद्धिगगुनिः दीक्षाचकः उभचकं द्रुपायासरी ॥
 थनवयचक ॥ नासलाकाया ॥ दवस्तु खानकाकाया ॥ थनस्यवावत्रिविद्य ॥
 गीचमालकाः मवपुत्रायातसहितन ॥ थनजजामाः मस्तुलथलकः ॥
 गीनद्विविदि ॥ दीयदानः मुखसूखा ॥ यानगथा ॥ दस्यपनिनयः नारीकाया ॥
 ल १

...साकात्रविधिः समाक ॥ ६०३ ॥ हुंनमः श्रीवज्रसत्ताया ॥ हुंनमः
 श्रीमद्वज्रसत्ताया नववचननमः त्रायत्यादि ॥ हुंनमः विद्ययागमनयादयंकजः
 यत्रातयागमननवविधि ॥ सप्तद्वयं यत्रातयागमननवविधिः नमोमीमिसिद्धी
 वयः वृद्धिबुधया ॥ हुंनमः ॥ हुंनमः सत्तावसूखासप्तधर्माः सत्तावसूखाद ॥ त्रिगुण
 लूनकादी ॥ कानययजिर्काययत्रा ॥ हुंनमः कानयवर्ज ॥ हुंनमः

धर्मज्ञानिद्वय

ॐ आः जिह्वा सर्वं निरुद्धं ॥ सर्वसत्त्वधनं हनना धूमार्गांति एतावन्निमास्मान्
 तावथ ॥ ॥ गदनूकत्रयं साधनः दजितरुक्ते आकाशतलसूर्यमल्लली ॥
 जः सुगुतिनर्कनी ॥ यं ॥ मधुमा ॥ हूं ॥ जूगु ॥ जूं ॥ जूनामिका ॥ ॥ वाम
 रुक्ते आकाशतलचन्द्रमल्लली ॥ सुं हूं सुं ॥ वामावर्तजूहू स्थायाफलाः वर्तुसं
 स्वाधिसूना ॥ ॥ ॐ यागमन्त्रं ॥ ॐ जिह्वावाक्कलिर ॥ हूं ॥ ॐ हूं सर्वविद्याया

॥ नमो भगवते ॥

ॐ सुं सिद्धिं सादाः संव

ॐ श्री सादा ॥ यथा ॥

ॐ जू ४ सादा ॥ धूप ॥

ॐ हूं सादा ॥ गंध ॥

ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥

ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥

ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥

ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥
मन्त्रो वि सुन ॥

ॐ पूनः पितृणां पुत्रानां वधूनां ॥ ह्रीं काल
ममपुत्राणां ह्रीं माका नमामकि कृतां प्रियं
वज्रवज्रहरी ॥ ॥ नत्सी पूनया श्रुतमहानाह
प्रवित्तनपस्यन् ॥ पूनः ह्रीं साहाय्यं दिय ॥
सर्वरुजकामितिः सर्वरुज ॥ धनीगुक्कवडि
काध्वनीः सर्वदवा व्यापिनी ॥ धन्यं ॥ ॐ

अमृतसंप्रवाणयदुं साक्षात् ज्ञान्यास ॥ ॐ अं ॥ हूं ॥ स्रूं ॥ म्रूं ॥
 सि न्निगं ॥ हूं ॥ चक्रुधयं ॥ यूं ॥ कर्तुं ॥ सः ॥ नासा ॥ स्मूं ॥ फल ॥ कर्तुं ॥ वाद्रुधयं ॥ यूं ॥
 ह्रयं ॥ कीं ॥ नाही ॥ ॐ वज्रचिह्नं ॥ ह्रयं ॥ ॐ वज्रवाक्यः ॥ जिह्वां ॥ ह्रूं ॥ ॐ व
 वज्रकायं ॥ जूं ॥ ह्रूं ॥ ॐ स्नानं ॥ मंत्रं ॥ ह्रूं ॥ ॐ आगं ॥ मंत्रं ॥ ह्रूं ॥ ॐ अ
 मानं ॥ मंत्रं ॥ ह्रूं ॥ ६०३ ॥ नन ॥ सद्यः ॥ सूर्यमल ॥ लायनि ॥ सिद्धिः ॥ यि

अथ कशीकफातमातावलम्बिनीः ॥ दुष्टाफलालवदनीः ॥ सितपूत्रावलीविनी
 श्रीलसिनवलम्बिनीधूमवल्बिनीनन्ताः ॥ अष्टयसक्तुजाः ॥ शानुर्वरुनाहिरयनमूहि
 धूमिगमतीरुगावकिशवयनूं ॥ ॐ अं ॥ कर्षणी ॥ हूं ॥ ॥ अं ॥ कषतमूड
 कतयनूं ॥ ४ ॥

ॐ आः कर्षली हूँ ॥ ६०३ ॥

ॐ धूमीगमनिर्यप्रवतसत्का नाथे पाद्यं प्रतिष्ठाप्य

ॐ आर्जुनार्चमनं प्रतिष्ठाप्य ॥ ४ ॥

ॐ अर्ध ४ ध्याया कुनं आचमनं यद्वा वस्तु ॥ ॥

ॐ धूमानिर्यसाहा ॥ ध्या ॐ आगमनिर्य ॥ ॥

ॐ ह्यकाशिर्यसाहा ॥ ॐ हाजकिमिजीर्यसा

ॐ क्षीपतिर्यसा ॥ ॐ धानिर्ध्या ॥ ॐ नृधिनीर्ध्यासाहा ॥ ॐ मामिर्यर्ध्यासाहा ॥ ॥

ॐ उग्राय कृत्तकूलसाहा ॥ ॐ कान्तिकिर्यकूलकूलसाहा ॥ ॐ विहारीयकृत्तकृ

वृत्तसाहा ॥ ॐ पाकातिर्यवलनिर ॥ ॐ वजीर्यवलनिरसाहा ॥ ॐ कृ ~~वृ~~ मूयवत

निरसाहा ॥ ॥ ६ थनपंचायचानपूजा ॥ ॥ थनलास्याकाय ॥

॥

ॐ हः साः प्रो स्वाहा ॥

ॐ ध्रिं घ्रिं स्वाहा ॥

ॐ कू नू कू नू स्वाहा ॥

ॐ वल गिर स्वाहा ॥

ॐ आ गं व न हू ॥

ॐ आ ग मृ नि र्थ स्वाहा

मृत्तियदप॥ ॥ उं नमस्तु यागं धियतिः सत्वभावकः नमस्तु संज्ञा नमस्तु
 मारुचुदकः नमस्तु सधामकः यकशावकं नमस्तु नत्वकनमामिहं सदा
 ॥ नमस्तु ॥ उं यचुचुशदिः जूधमनदिः संज्ञावतमं नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 वल्लभः शकसदावगजं नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 ॥ जूथवा ॥ ॥ उं सत्ता ॥ ॥ उं सत्ता ॥ ॥ उं सत्ता ॥ ॥ उं सत्ता ॥ ॥ उं सत्ता ॥ ॥ उं सत्ता ॥

१ आः कर्षना ॥ सत्ता ॥ उं यचुचुशदिः जूधमनदिः संज्ञावतमं नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 थनफलरववलिसालं नमस्तु नमस्तु नमस्तु ॥ उं नमस्तु
 कर्षकायनिः सधामकः यकशावकं नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 शगवनिः सधामकः यकशावकं नमस्तु नमस्तु नमस्तु ॥ आः कर्षना ॥
 या उं आधमन ॥ यचुचुशदिः जूधमनदिः संज्ञावतमं नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु

पूर्ववशावलिसाला ॥ ॥ ॐ ह्रिविसूधधर्मजुआःजुआसाहा ॥ ॐ ह्रिविर
रुविरमहारुविररुहृहृहृहृसाहा ॥ ॥ ॐ लूकरनै। वलविरमहाव
लुतिःसिद्धिमूरयग्नः। नवाहिनीः। पुनमूषचलुकालालिः। नृधिनयिथस
मयात्रिजिनयागवत्रिकिलिकि। वलीः। नावपितृवनमधः। हृंजरहृंजरजिग
हृरसरुगनदूनः। धूमीगात्रिचलुकालालिः। निष्कृमीकनूरहृगृद्रसरसधद

मानः। नजरुनरदरुपवररुहृहृहृहृसाहा ॥ ॥ ॐ ह्रिविरमहारुविररुहृहृहृहृसाहा ॥
महा। धृसति। जाकासः। रुत्फानविद्यपीलडा ॥ ॥ ॐ ह्रिविरमहारुविररुहृहृहृहृसाहा ॥
महारु। ललिः। रुहृहृहृहृहृहृसाहा ॥ ॥ ॐ ह्रिविरमहारुविररुहृहृहृहृसाहा ॥
यचात्रयुजा। ला। हृय। धृलुवोदन। मृति। मकृनपीला। कृयननंमृति
॥ ॐ ह्रिविरमहारुविररुहृहृहृहृसाहा ॥ ॥ ॐ ह्रिविरमहारुविररुहृहृहृहृसाहा ॥



ॐ जू का ना मूरव सध धर्मा म्माय नू ल्य न्न त्वा ॥ ॐ जू ४ दूरु दू सा ला ॥ ॥
 वि स र्ज नः ॐ ग वू र स रू व नः ग वू धी य न ना य ग म ना य दूरु दू सा ला ॥ ॥
 ॐ नि धू मी ग म ति द ठु ती पू जा वि धि शु स मा फ ४ ॥ ॥
 ॐ दू ४ जी ध धू मी ग म ति रु न कं ला फी दू जी रु दू सा ला ॥ धू मी ग म ति या ४ ॥
 ॐ जू ४ व ला का ल ना ॥ ॐ स ध दू दू नू ग द्वा र ग वू धी य न ना ग म य दूरु

ॐ सा दा सा कि क वि स र्ज नः



ॐ नमः श्रीं वज्रसत्त्वाय ॥ ॐ नमः श्रीं सूर्याय नमः
॥ ॥ क्रायां सतिदानवियः नाजाः माहानया ननयगुः
माह १ दं ४ विय ॥ ग्वस्तिया नमाह १ दं ४ विय ॥
थलिधूनकाडाः कानकायः कात्रः विकनः वयकेस
नानयाकेः सतिदानं कया नधनमदनकेः पूजारे

२
न जायय के ॥ गुन मधु नदन के ॥ भक्त पानवनी विय ॥
विस जनयान के ॥ दाद सूर्य पूजायाव के ॥ ह्याद
विन ह्याद जजम ॥ ह्याद खान ॥ ह्याद जज कायू १२
ह्याद खान शत्र १२ निबनयू १२ ह्याद ०० नानया
न १२ मन विय के ॥ अद्ययाव के ॥ अद्यमाहादा

३
न ॥ वाक याय ॥ थनवारवन के भ सनि वस्तु याय ॥
१० नभारगवानू वाच ॥ ॐ रुखि नारुवन महा मधुः
न महावेशा वन नहि न ॥ श्री जमि नारुवन मधुन सन
हि न ॥ शायू गी चन थू गुलि वाद्य याय धून नाध के
रुखि नारुवन सविष्ठाक के ॥ जमि नारुवन अशन

नः आस्तादयकस्य विज्ञानं ॥ शोपूजी थूगु वांछु याना
यापून्यनः अमृत शोगरा नाडाः स्वर्क सवास शनधक
अमृतीतवन था गगन आस्तादयकनं ॥ १ ॥ शोपूजी
छन थूगु लिवा च्छु या यधून नाधकः दुखिता रुवन स
महाः वेनाचनन आस्तादयकनं छन अमिताः रुवम

लसडानाडाः छन अमृत शोगरा नाडाः स्वर्क वास श
नधकः वेनाचननः आस्तादयकनं ॥ २ ॥ श्री विः
पद्मी मलुलः अमिताः रुवन था गगन स्वर्क नकुत्रि समूः
धिनं ॥ ॥ शोपूत्रि छन थूगु त्रि वांछु यान नाडाः अमि
ता रुवन था गगनयाः जगत् विपद्मी तथा गगनयाः म्हाः

वश्याडाः जर्मकात्र अनिधकं विषयी न भग्न न ज्ञः
आदयकर्त॥ ॥ जग्न नार्थः महानार्थः कायवाकवि

हमिगुदानः श्रीजीवाधनपनिपदार्थः ॥ ॥ लोपूः
छिन्नः पूगुत्रिः लालपाः निम्नीतिनः पूगुलि यापूनाः
न जग्न न सानयाः मा मश्याडाः गडाधनकूलसज

मश्रुतं ॥ थडासलिलिनः मिगुदानया नायापून्यन ॥
पानवनि श्याडाः जीवाधनपनिपदार्थः ॥
जर्मकात्र अनिडा ॥ ॥ नात्रिः नात्रिमहाजर्मः स्वतः
गवाशकृत् परः सर्वजर्महिठपूनाः कृत् पूगुसदारुवा
ह ॥ ॥ लोपू छिन्नः पूगुत्रियाः पूगुमापूनाडानः मिश्राश

याऽऽर्जुनकायस्त्रमात्रिअधर्कःस्वर्गवासअनिअः
स्वावगतिस्तज्जन्मकायूडाऽर्जुनिनारुवनथगमयाःनात्रा
इयाडावानदयूडा॥ ॥ कायःवाचाप्रनसासुधिपाः
यमात्रासनाधर्मेपूत्रवप्रसाःनाहात्रासिस्वर्गकयएन
प्र॥ ॥ शापूत्रिचनयूत्रिकायैतानपानःधृष्टलि

पूनानःसलिननयानापापःपूत्रवयाकयानाद्वाहात्र
पापःहनांस्वर्गाकयानापापःधर्कःस्वयानापापनाह
इयूडाधर्कःवत्राचननथगमनशास्त्रादयकर्त्रे॥ ॥
उंजात्राधनपद्मीपदाजनिस्सनि॥ स्वर्गगतिःपूत्रव
संगमीरानूस्त्रिस्त्रसंगनि॥ ॥ शापूत्रिचसलिन

१०
अग्नि सदा सा त्रया या पू न न वे कू थ वा स श न ग थ ध
व सा जा त र न दे न डाय नि षु दानः थ व स त्रि त्रः स ति ड
न थ या पू न न दु थू ज म स या ना या प स म रू ड ॥
थ न त्रि वे कू थ वा स श न थ न लि स नि द वि श या ड
स्व ग वा स श न ॥ ॥ स मा दि म हि जा म्यः मा या च क प

११
त्र व र ॥ ॥ सा पू णिः च न थू गु त्रि च न सा त्र या नि मिः
ति नः म हा प त्रा वि न न पू नः ग थ ध त्र सा थ ड स वा न
द डाय नि क प त न त्रा ना श त्रा ॥ ॥ स रु म् जन व र्ध
०० न ना न मि न क यः जन पू ण जन वि मा ना पि ना द द
हि म्य न ॥ ॥ सा पू णिः थू गु त्रि या पु त्रा वि न न मा क्र म

दनैः गथ्य बलसा, सकलैराकरो योऽहर्न्वः ॐ ह्रुम
 नः नोत्र लभानः ह नो कायस्काच माम् ववूरो यः
 काः देहं चिन्तयाना आः थमं शका वाचयाना आः आन्यः
 याः थयापना विनन, मा क्रमद नैः सत्रायन कर्तुं ॥ ॥
 रगवान्वाचः पूरुखनत्त स मिहानः ह मि ॐ च न न गुरु

न ॥ ॥ शोपत्र मेष्ठत्र जिमि साह्मन च्चुत्र पालयौ मि
 स्वर्गनिच्छायमात्र च्चुत्र पात्र स्यन जि सूरग नि सथ का ल्य
 विष्णायमात्र ॥ ॥ शोपत्रिः ज्ञानानि जि सूरग नि वास
 जन जन जवस्य रूपद नैः सनैः शोपत्रि प्रमात्रा च्चुन ॥
 ज्ञा ॐ त्रान् कि सिया घत्रा न स सुवर्क्या विमान सथ

नाडा वेकं थसः स्वर्गवास इतं ॥ ॥ शानात्रीः स्वामिनः
 पत्न्या स्वामिरुक्कानूवात्रिलीः सहगमि स्वयं मत्वा ससां
 हं प्रान गवान् ॥ ॥ ग्वक्कमि साजननं स्वामिनः प्रान ना
 वडुसायाडाः स्वामिडा प्रीति स्वामिरुक्किनः स्वामिडाः सै स
 गिनः पूरुखडा नापै सतिडा नाडा थडा प्राद नात्र न धकं

पूरुषासै सगडानं ॥ ॥ नृक विरु सप्त्याद्यः स्वामि
 नाममनू सत्रनः गच्छति येक विरु नः स्वामि सहा नूगम मि
 नि ॥ ॥ ॥ थूगुलि विरु जायत्रयाडाः स्वामि सै हानूगम
 यानामकायाडा नृक विरु नः स्वामिडा सै सगिनः सतिडा
 नी ॥ ॥ अनूवजति रु रू रूः गहात्पि रु वनं मूदाः पद ६४

१५ मधस्यः रु ल षा प्रा नि नी ल ष ॥ ॥ ग्व क मि सा ड न नी ल
मि आ ना प यो द ना न न ध क थ ड अ न ना ड अ पि रु लो
क स प न ला क अ न ध क स नि ड न ॥ ॥ ध स नि ड न ध
क दा स्य ड ना या रु ल न प ना क न का न प ना प नि ॥ ॥
ध म ध ज रु या ना यौ ड नि रु ल ना क रु ना प ना न का

१६ य निः स र व रु ल प १ दान या ना रु त ला क थ थि गु पु न
सि या ड रु ना स म चा स धी ज या ना ड प न म ध व न या
ना म का या ड न क चि रु या ना ड स निः स र ग स ड
नी ॥ ३ ॥ ॥ स्नान कि न न्य ॥ गु त्र पू ज द १ २ द
नि षः शी स र्ज द ड या न ग्व य ग्व १ २ क स त्रि ग्व १

वाखनकनकगुलाशयानभाह १ दक्षिणकायई
अथयार्द १२ दक्षिण ॥ अक्षिरविविय ॥ अभापनः ॥
विमज्जनयावक ॥ विघनधियक ॥ कलखअयकन
धाय ॥ कानयनेः सादानविय ॥ त्रुसिधनकेः धूमि
सतिआयाः वाखनकनगुल ४॥ ॐ ॥ ॥

गुरुसंनन ७० मि वेरुगुक्रयादसमी वनसिखय
काशुल ॥ यमसू लिः समकरुडनवायाडाः नाउपनिः
यानविया ४॥ ४॥ गुरुसंगरुवस्तु सर्वदाकारः
४॥ ॥ ॥